मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

14 मार्च, 2022

मुविवि के महिला अध्ययन केंद्र ने की गांव में महिला शिक्षा एवं स्वावलंबन जागरूकता कार्यकम के अन्तर्गत ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी तैयारी कार्यशाला

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गोहरी गांव में महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 14 मार्च, 2022 को कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में जहाँ एक ओर ग्रामीण महिलाओं को विश्वविद्यालय के शैक्षिक तथा रोजकारपरक कार्यक्रमों के विषय में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गयी, वही दूसरी ओर उनमें स्व–रोजगार एवं स्वावलंबन की दिशा में जागरूकता लाने हेतु विश्वविद्यालय में आगामी कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित प्रदर्शनी और अन्य गतिविधियों की सूचनाएँ भी दी गयी।

विश्वविद्यालय के महिलला अध्ययन केन्द्र द्वारा संचालित महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन प्रयागराज के विभिन्न गॉवों में किया जा रहा है। विश्वविालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी का कहना है कि ग्रामीण महिलाओं में पाये जाने वाले अनेक घरेलू एवं कलात्मक कौशलों को पुष्पित–पल्लवित करने की दिशा में उन्हें जागरूक करना और इन हस्तशिल्पों के माध्यम से उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की प्रस्तावना करने का प्रयास महिला अध्ययन केन्द्र कर रहा है, जो अत्यन्त सराहनीय है। विश्वविद्यालय की विभिन्न विद्याशाखाओं और इस केन्द्र के समन्वित सहयोग से हम सब इस दिशा में निरन्तर आगे बढ़नें हेतु कृतसंकल्पित हैं।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

प्रयागराज के सोरांव विकास खण्ड के गोहरी गॉव में आयोजित इस कार्यशाला में महिला अध्ययन केन्द्र की समन्वयक प्रो0 रूचि बाजपेई, सह–समन्वयक डॉ0 श्रुति एवं डॉ0 मीरा पाल, सहायक समन्वयक डॉ0 साधना श्रीवास्त और केन्द्र के अन्य सदस्य डॉ0 शिवेन्द्र प्रताप सिंह एवं श्री राजेश गौतम ने ग्रामीण महिलाओं को विविध हस्तशिल्पों जैसे–बागवानी, सिलाई, पाक कला, दस्तकारी, चित्रकला आदि पर विश्वविद्यालय में भविष्य में प्रारम्भ किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विषय में जानकारी दी। गॉव की जो महिलाएँ इन कलाओं में दक्ष हैं वे यदि अपनी प्रतिभा को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रदर्शनी आदि के माध्यम से सामने लाएँगी, तो विश्वविद्यालय प्रशिक्षण के द्वारा उनके कौशल में वृद्धि करने में उनकी हर संभव सहायता करने के लिए तत्पर है। इसी से आगे भविष्य में उनके समक्ष स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता के नए अवसर उपस्थित होंगे।

इस कार्यक्रम में गोहरी गॉव की प्रधान श्रीमती चमेला देवी, शिवपूजन जी, शान्ति आदि अन्य लोग उपस्थित रहे, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं का उत्साह दर्शनीय था।